

Sem-3 (MTC)

Q मानचित्रण का स्वरूप और क्षेत्र (Nature and

Scope of Cartography)

* कार्टोग्राफी क्या है ?

→ कार्टोग्राफी (मानचित्रण) वह विज्ञान, कला और तकनीक है जिसके माध्यम से पृथ्वी की सतह, प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक तत्वों को मानचित्र के रूप में प्रस्तुत किया जाता है।

→ मानचित्रण केवल नक्शा बनाना नहीं है, बल्कि उदा संग्रह, विश्लेषण, प्रतीकीकरण और प्रस्तुतीकरण की पूरी प्रक्रिया है।

* मानचित्रण का स्वरूप :-

(1.) विज्ञान :-

→ माप, प्रक्षेप, स्केल, निर्देशांक प्रणाली आदि वैज्ञानिक सिद्धांतों पर आधारित। पृथ्वी की गोलाकार सतह को समतल कागज पर दर्शाने की तकनीक।

(2.) कला :-

रंग, प्रतीक, रेखा, अक्षर शैली का चयन। मानचित्र को आकर्षक और स्पष्ट बनाना।

(3.) तकनीक :-

→ पहले हाथ से मानचित्र बनाए जाते थे।

→ अब कंप्यूटर आधारित तकनीक और GIS का प्रयोग होता है।

(4) संचार माध्यम :-

- मानचित्र एक दृश्य भाषा है।
- जलिन जानकारी को सरल रूप में प्रस्तुत करता है।

* मानचित्रण का क्षेत्र :-

- कार्टोग्राफी का क्षेत्र बहुत व्यापक है। यह कई विषयों और क्षेत्रों में उपयोगी है :-

(A) भौगोलिक अध्ययन में :-

- स्थलाकृति मानचित्र ; जलवायु , मृदा , वनस्पति , मानचित्र , जनसंख्या और आर्थिक गतिविधि मानचित्र ,
उदाहरण : Survey of India भारत में आधिकारिक मानचित्र तैयार करता है।

(B) आधुनिक तकनीक में :-

- GIS (Geographic Information System)
- Remote Sensing
- GPS

उदाहरण : ISRO उपग्रह चित्रों द्वारा मानचित्रण में सहायता करता है।

(C) योजना एवं विकास में :-

- नगर नियोजन , परिवहन मार्ग निर्धारण , आपदा प्रबंधन , कृषि योजना।

(D) रक्षा और सामरिक उपयोग :-

- सीमाओं का निर्धारण
- सैन्य रणनीति
- संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान

(E) शिक्षा और अनुसंधान :

- विद्यालय एवं विश्वविद्यालय में अध्ययन ।
 - बौद्ध कार्य, आधुनिक कार्टोग्राफी, आज डिजिटल युग में कार्टोग्राफी बहुत विकसित हो चुकी है ।
 - वेब मैपिंग, 3D मैप, इंटरैक्टिव मैप, मोबाइल मैपिंग ।
- उदाहरण :- Google द्वारा विकसित Google Maps

* निष्कर्ष :

- मानचित्र भूगोल की एक महत्वपूर्ण शाखा है जिसका स्वरूप वैज्ञानिक, कलात्मक और तकनीकी है । इसका क्षेत्र अत्यंत व्यापक है और यह शिक्षा, अनुसंधान, रक्षा, योजना एवं आधुनिक तकनीक में अत्यधिक उपयोगी है ।